भारत - ट्यूनीशिया संबंध

1958 में राजनयिक संबंधों की स्थापना के बाद से ट्यूनीशिया के साथ भारत ने मैत्रीपूर्ण एवं सौहार्द्रपूर्ण संबंधों को बनाए रखा है। मामला प्रभारी के स्तर पर पहला भारतीय रेजीडेंट मिशन 1963 में ट्यूनीशिया में स्थापित किया गया तथा 1976 में राजदूत के स्तर पर इसे अपग्रेड किया गया। नई दिल्ली में ट्यूनीशिया दूतावास की स्थापना 1981 में हुई। ट्यूनीशिया के नेताओं ने भारत के लोकतंत्र तथा यहां के नेताओं जैसे कि महात्मा गांधी एवं पंडित नेहरू की प्रशंसा की है; और वे कहते हैं कि भारत के स्वतंत्रता संघर्ष ने ट्यूनीशिया के लिए प्रेरणा के स्रोत के रूप में काम किया है।

राष्ट्रपति बोरगुइबा तथा राष्ट्रपति बेन अली के दो शासनकाल में दोनों देशों ने धर्मनिरपेक्षता के लिए सम्मान व्यक्त किया तथा आधुनिकीकरण ट्यूनीशिया की विदेश नीति का हालमार्क था। द्विपक्षीय संबंध असमान धरातल पर बने हुए हैं। 2000 के दशक के पूर्वार्द्ध में इस क्षेत्र में वर्ष 2006 में एक संयुक्त उद्यम की स्थापना के साथ फास्फेट में द्विपक्षीय सहयोग में प्रगति हुई। यू एन सहित अंतर्राष्ट्रीय मंचों पर भारत और ट्यूनीशिया के बीच सहयोग बहुत अच्छा रहा है - दोनों देशों ने इन निकायों के लिए एक दूसरे की उम्मीदवारी का समर्थन किया तथा समान पदों पर रहे।

इस अवधि में उच्च स्तर पर अनेक यात्राएं हुईं। इनमें से उल्लेखनीय यात्राएं हैं - जुलाई 1964 में उप राष्ट्रपति जाकिर हुसैन, प्रधानमंत्री श्रीमती इंदिरा गांधी की अप्रैल 1984 में यात्रा, मई 1984 में उप राष्ट्रपति एम हिदायतउल्ला की यात्रा तथा 1992 में प्रधानमंत्री श्री नरसिंहाराव की यात्रा। पूर्व प्रधानमंत्री श्री आई के गुजराल ने 1999 में ट्यूनीशिया का दौरा किया। ट्यूनीशिया की ओर से ट्यूनीशिया की पहली महिला वासिला बोरगुइबा ने नवंबर 1982 में भारत का दौरा किया जिसके बाद प्रधानमंत्री मोहम्मद मजाली ने 1983 में, विदेश मंत्री हबीब बुलारेस ने 1991 में और विदेश मंत्री ने हबीब बेन याहिया ने दिसंबर 2000 में भारत का दौरा किया।

क्रांति पश्चात ट्यूनीशिया में विदेश राज्य मंत्री (ई ए) श्री ई अहमद ने 5 से 7 नवंबर 2012 के दौरान मंत्री स्तर पर ट्यूनीशिया की पहली यात्रा की तथा ट्यूनीशिया गणराज्य के राष्ट्रपति महामहिम मोन्सेफ एम मोर्जोकी, महामहिम प्रधानमंत्री हमादी जेबाली, एन सी ए स्पीकर मुस्तफा बेन जफ्फार, विदेश मंत्री महामहिम रफीक अब्देसलेम, विदेश मंत्री श्री हेदी बेन अब्बेस, विदेश राज्य मंत्री (अमेरिका एवं एशिया) तथा एन्नाहदाह आंदोलन के अध्यक्ष श्री राचेड घनौची से मुलाकात की।

रसायन एवं उर्वरक राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री श्रीकांत के जेना ने टी आई एफ ई आर टी प्लांट, जो फास्फोरिक एसिड के निर्माण के लिए भारत - ट्यूनीशिया संयुक्त उद्यम है, के आरंभ होने के अवसर पर 11 से 13 जुलाई 2013 के दौरान ट्यूनीशिया की तीन दिवसीय यात्रा की। उद्योग मंत्री मेंहदी जोमा के साथ अपने कार्यकारी सत्र के अलावा राज्य मंत्री ने राष्ट्रपति मोंसेफ मारजउकी से भी मुलाकात की तथा स्वास्थ्य मंत्री अब्डेललतीफ मक्की, राजनीतिक मामलों के प्रभारी मंत्री नूरेडडाइन भिरी, आर्थिक मामलों के प्रभारी मंत्री रिधा सईदी और भ्रष्टाचार के खिलाफ सकतर्कता मंत्री रियाध बेटाईब के साथ द्विपक्षीय हित के मुद्दों पर चर्चा की।

विदेश मंत्री श्री सलमान खुर्शीद ने 1958 में दोनों देशों के बीच राजनयिक संबंधों के स्थापित होने के बाद भारत की ओर से विदेश मंत्री के स्तर पर अब तक की पहली द्विपक्षीय यात्रा के रूप में 2 से 3 फरवरी 2014 के दौरान ट्यूनीशिया गणराज्य का दो दिवसीय आधिकारिक दौरा किया। विदेश मंत्री ने राष्ट्रपति महामहिम डा. मोंसेफ मारजउकी, प्रधानमंत्री महामहिम श्री मेंहदी जोमा से मुलाकात की तथा विदेश मंत्री महामहिम श्री मोंगी हमादी के साथ बैठक की। उन्होंने एन्नाहदा पार्टी के अध्यक्ष शेख राशिद घनौची तथा नीदा टाउनेस पार्टी के अध्यक्ष श्री बेजी कैड एसेब्सी से भी मुलाकात की। विदेश मंत्री ने लोकतांत्रिक ढंग से चुनी गई राष्ट्रीय संविधान सभा द्वारा संविधान को अपनाए जाने की ऐतिहासिक उपलब्धि पर ट्यूनीशिया के नेतृत्व को भारत सरकार एवं भारत के लोगों की ओर से बधाई दी। उन्होंने ट्यूनीशिया के नेतृत्व को सूचित किया कि भारत लोकतंत्र की टिकाऊ संस्थाओं का निर्माण करने, विशेष रूप से मतदान के तरीकों तथा निर्वाचन आयोग के कार्य के सिलसिले में अपनी विशेषज्ञता को साझा करने के लिए तैयार है।

एन्नाहदा पार्टी के अध्यक्ष शेख राशिद घनौची ने भारतीय सांस्कृतिक संबंध परिषद के अतिथि के रूप में 5 से 8 अप्रैल 2015 के दौरान भारत का दौरा किया। नई दिल्ली में होने के दौरान शेख राशिद घनौची ने उप राष्ट्रपति श्री एम हामिद अंसारी और विदेश मंत्री सुश्री सुषमा सवराज से मुलाकात की। उन्होंने लोक सभा उपाध्यक्ष महामहिम श्री तांबी दुरई से भी मुलाकात की। उन्होंने दो विश्वविद्यालय अर्थात अंतर्राष्ट्रीय अध्ययन विद्यालय, जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय और अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय के भारतीय छात्र समुदायके साथ बातचीत की। उन्होंने नई दिल्ली में प्रेक्षक अनुसंधान प्रतिष्ठान में ट्यूनीशिया के लोकतंत्र में संक्रमण पर व्याख्यान भी दिया।

भारत के माननीय प्रधानमंत्री के विशेष दूत तथा माननीय वस्त्र मंत्री श्री संतोष कुमार गंगवार ने 9 और 10 जुलाई 2015 को ट्यूनीशिया की दो दिवसीय यात्रा की। उन्होंने ट्यूनीशिया गणराज्य के राष्ट्रपति महामहिम श्री बेजी कैड एसेब्सी से मुलाकात की तथा नई दिल्ली में अक्टूबर 2015 में तीसरी भारत – अफ्रीका मंच शिखर बैठक के लिए प्रधानमंत्री की ओर से उनको निमंत्रण पत्र सौंपा। माननीय मंत्री महोदय ने ट्यूनीशिया गणराज्य के विदेश मंत्री महामहिम श्री तैयब बकाउची से भी मुलाकात की तथा उनको विदेश मंत्री की ओर से उनको निमंत्रण पत्र सौंपा।

ट्यूनीशिया के विदेश मंत्री महामहिम श्री तैयब बकाउची के नेतृत्व में ट्यूनीशिया के शिष्टमंडल ने नई दिल्ली में अक्टूबर 2015 में तीसरी भारत – अफ्रीका मंच शिखर बैठक में भाग लिया। उन्होंने तीसरी भारत – अफ्रीका मंच शिखर बैठक के दौरान अतिरिक्त समय में माननीया विदेश मंत्री श्रीमती सुषमा स्वराज से मुलाकात की। श्री तैयब बकाउची ने नई दिल्ली में तीसरी भारत – अफ्रीका मंच शिखर बैठक 2015 के दौरान भारत के प्रधानमंत्री माननीय श्री नरेंद्र मोदी वार्ता की।

विदेश कार्यालय परामर्श, संयुक्त आयोग और संयुक्त कार्य समूह :

दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय विदेश कार्यालय परामर्श के लिए एक तंत्र मौजूद है। सचिव स्तर पर दिसंबर 2001 और अक्टूबर 2002 में तीन परामर्शों का आयोजन पहले ही हो चुका है तथा तीसरे परामर्श का आयोजन 30 अप्रैल 2015 को हुआ था। ये सभी विदेश कार्यालय परामर्श ट्यूनिश में हुए हैं। विदेश कार्यालय परामर्श की तीसरी बैठक के लिए श्री अनिल वाधवा, सचिव (पूर्व), विदेश मंत्रालय द्वारा भारत के शिष्टमंडल का नेतृत्व किया गया। दोनों पक्षों ने राजनयिक एवं आधिकारिक पासपोर्ट धारकों के लिए वीजा की आवश्यकता से छूट के लिए एक करार पर हस्ताक्षर किए। सचिव (पूर्व) ने ट्यूनीशिया के विदेश मंत्री महामहिम श्री तईब बक्काउश से भी मुलाकात की। श्री वाधवा ने वाणिज्य एवं हस्तशिल्प मंत्री महामहिम श्री रिधा लाहवेल, प्रधानमंत्री के आर्थिक सलाहकार महामहिम श्री रिधा बेन मोसबाह, सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी मंत्री महामहिम श्री नूमन फेहरी तथा निवेश एवं अंतर्राष्ट्रीय सहयोग राज्य मंत्री माननीया सुश्री अमेल अज़ीज़ के साथ चर्चा की।

एक संयुक्त आयोग है जो पहले विदेश राज्य मंत्री के स्तर पर था परंतु अब स्तरोन्नत करके विदेश मंत्री के स्तर पर कर दिया गया है। 11वीं बैठक 23 अप्रैल, 2012 को नई दिल्ली में आयोजित हुई थी। अगली बैठक 2016 में होने की संभावना है।

व्यापार एवं वाणिज्यिक संबंधों को सुदृढ़ करने के लिए दोनों देशों के बीच अनेक संयुक्त कार्य समूह गठित किए गए हैं। पिछले 5 वर्षों में इन सभी संयुक्त कार्य समूहों की बैठकों का आयोजन किया गया है। विभिन्न संयुक्त कार्य समूह इस प्रकार हैं :

(क) तेल एवं प्राकृतिक गैस पर संयुक्त कार्य समूह : भारत – ट्यूनीशिया संयुक्त आयोग की 10वीं बैठक के दौरान तेल एवं प्राकृतिक गैस क्षेत्र पर एक संयुक्त कार्य समूह का गठन किया गया तथा इसकी पहली बैठक नई दिल्ली में अगस्त 2007 में हुई थी।

(ख) एस एम ई पर संयुक्त कार्य समूह : एस एम ई पर संयुक्त कार्य समूह की तीसरी बैठक 02 अप्रैल 2014 को नई दिल्ली में हुई थी।

(ग) औषधि एवं भेषज पर संयुक्त कार्य समूह : इस संयुक्त कार्य समूह की चौथी बैठक ट्यूनिश में अक्टूबर 2008 में हुई थी। पांचवीं बैठक जनवरी 2016 में ट्यूनिश में होने की संभावना है।

(घ) वस्त्र पर संयुक्त कार्य समूह : भारत और ट्यूनीशिया के बीच वस्त्र पर संयुक्त विशेषज्ञ समिति (जे ई सी टी) की पहली बैठक 16 और 17 मार्च 2009 को ट्यूनिश में हुई थी।

(ङ) आई सी टी पर संयुक्त कार्य समूह : दूसरी बैठक 29 जून 2015 को नई दिल्ली में हुई थी। ट्यूनीशिया के शिष्टमंडल का नेतृत्व ट्यूनीशिया के आई टी मंत्री श्री नूमानी फेहरी द्वारा किया गया।

विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी सहयोग :

विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी में भारत - ट्यूनीशिया सहयोग अक्टूबर 1995 में दोनों देशों के बीच हस्ताक्षरित वैज्ञानिक एवं प्रौद्योगिकीय सहयोग पर करार तथा इसके तहत सहयोग कार्यक्रम (पी ओ सी) पर आधारित है। विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी पर संयुक्त समिति की तीसरी बैठक 24 मई 2013 को ट्यूनिश में हुई जिसमें दोनों पक्षों ने विविध क्षेत्रों में भारत और ट्यूनीशिया के वैज्ञानिकों द्वारा प्रस्तुत संयुक्त अनुसंधान की परियोजनाओं के संयुक्त वित्त पोषण पर चर्चा हुई, सी वी रमन अध्येतावृत्ति कार्यक्रम (सी वी आर एफ पी) में ट्यूनीशिया की ओर से उच्च स्तरीय भागीदारी का स्वागत किया गया तथा वैक्सीन एवं दवा विकास के क्षेत्र में ट्यूनिश के पाश्चर संस्थान और आई सी जी ई बी, नई दिल्ली के बीच सहयोग की उम्मीद व्यक्त की गई।

जैव प्रौद्योगिकी में सहयोग कार्यक्रम (पी ओ सी) :

सितंबर 2006 में ट्यूनिश में आयोजित जैव प्रौद्योगिकी पर भारत – ट्यूनीशिया संयुक्त समिति की पहली बैठक के दौरान जैव प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में सहयोग कार्यक्रम पर हस्ताक्षर किया गया था।

भारत – अफ्रीका मंच शिखर बैठक के तहत सहयोग :

इस पहल के तहत ट्यूनिश पाश्चर संस्थान (आई पी टी) अफ्रीका महाद्वीप की विशिष्ट समस्याओं पर काम करने तथा उनका व्यावहारिक वैज्ञानिक समाधान तलाश करने के लिए भारतीय वैज्ञानिक समुदाय द्वारा सहायता के लिए अफ्रीकी संघ आयोग द्वारा चुने गए 3 संस्थानों में से एक है। तदनुसार, आई पी टी और नई दिल्ली के अंतर्राष्ट्रीय आनुवंशिक इंजीनियरिंग एवं जैव प्रौद्योगिकी केंद्र (आई सी जी ई बी) के बीच एक घनिष्ट सहयोग कार्यक्रम शुरू किया गया है तथा 23 मई 2013 को ट्यूनिश में दोनों संस्थानों के बीच जैव सूचना विज्ञान एवं स्वास्थ्य विज्ञान पर एक कार्यशाला का आयोजन किया गया था जिसमें अफ्रीकी देशों की क्षमता निर्माण के लिए वैक्सीनों का विकास सहित संक्रामक बीमारियों के नियंत्रण तथा भवन प्रौद्योगिकी के विभिन्न पहलुओं पर चर्चा हुई। यह निर्णय लिया गया कि वैक्सीन अनुसंधान एवं उत्पादन में क्षमता निर्माण के लिए ट्यूनिश पाश्चर संस्थान को भारत की अनेक अग्रणी प्रयोगशालाओं से जोड़ा जाएगा। अनुवर्ती कार्रवाई के रूप में जून 2014 से क्षमता निर्माण, अनुसंधान एवं प्रशिक्षण के लिए ट्यूनिश पाश्चर संस्थान तथा भारत के विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग एवं सी जी ई बी संपर्क में हैं।

आई ए एफ एस के तहत भारतीय विदेश व्यापार संस्थान (आई आई एफ टी) ने सितंबर 2013 में ट्यूनिश में अंतर्राष्ट्रीय व्यवसाय पर एक सप्ताह के एक कार्यपालक विकास कार्यक्रम का आयोजन किया। ट्यूनीशिया सरकार के विभिन्न मंत्रालयों के 35 सरकारी अधिकारियों ने
इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग लिया।

आई टी ई सी / अन्य छात्रवृत्तियां :

भारत सरकार ट्यूनीशिया को उच्च अध्ययन के लिए हर साल आई टी ई सी के 50 से 60 स्लॉटों तथा 10 से 15 आई सी सी आर छात्रवृत्तियों की पेशकश करती है।

द्विपक्षीय व्यापार :

ट्यूनीशिया फॉस्फेट के लिए एक विश्वसनीय स्रोत रहा है। ट्यूनीशिया के फास्फोरिक एसिड के वैश्विक निर्यात में भारत का हिस्सा लगभग 50 प्रतिशत है। दूसरी ओर भारत व्यापक श्रेणी के उत्पादों का निर्यात करता है। इन उत्पादों में नॉक्ड डाउन निट, आटोमोबाइल, विद्युतीय मदें, कॉटन, यांत्रिक इंजन, जैविक रासायनिक उत्पाद, रबर, चावल, कॉफी / मसाले आदि महत्वपूर्ण हैं। 2015 के दौरान वार्षिक द्विपक्षीय व्यापार का मूल्य 34.25 मिलियन अमरीकी डॉलर था।

भारत - ट्यूनीशिया संयुक्त उद्यम :

भारत - ट्यूनीशिया उर्वरक एसए एक संयुक्त उद्यम कंपनी है जिसका मूल्य 450 मिलियन अमरीकी डॉलर है तथा फास्फोरिक एसिड का उत्पादन करने की इसकी क्षमता 360,000 टन प्रतिवर्ष है, जिसे 2013 में चालू किया गया था। इस कंपनी में भारत की दो कंपनियों अर्थात कोरोमांडेल फर्टिलाइजर्स लिमिटेड और गुजरात स्टेट फर्टिलाइजर्स लिमिटेड के 30 प्रतिशत शेयर हैं।

अन्य भारतीय कंपनियां :

मैसर्स के ई सी इंटरनेशनल लिमिटेड और ज्योति स्ट्रक्चर्स लिमिटेड नामक भारतीय कंपनियां कई सालों से ट्यूनीशिया में हैं तथा विद्युत पारेषण लाइनें बिछा रही हैं। अक्टूबर 2013 से ट्यूनीशिया में महिंद्रा पिकअप ट्रक का एक असेंबली प्लांट काम कर रहा है जो हर साल 1200 से अधिक वाहन बेच रहा है तथा हर साल 2500 वाहनों का उत्पादन करने का लक्ष्य रखा गया है। महिंद्रा एंड महिंद्रा नॉक्ड डाउन निट के रूप में वाहन प्रदान करता है, जिनको ट्यूनीशिया में ट्यूनीशिया की कंपनी द्वारा असेंबल किया जाता है। मैसर्स टाटा मोटर्स ने ट्यूनीशिया की ली मोटर एवं 'इकार' नामक कंपनियों के साथ जून 2015 में पिकअप ट्रकों का उत्पादन शुरू कर दिया है। डाबर की लगभग 7 मिलियन अमरीकी डॉलर मूल्य की एक टूथपेस्ट विनिर्माण परियोजना है।

निर्यात की संभावना :

भेषज पदार्थ, वाणिज्यिक / कृषि वाहन एवं स्पेयर पार्ट्स, मशीनरी, परिधान एवं वस्त्र, साफ्टवेयर निर्यात तथा सेवा क्षेत्र (पर्यटन एवं अतिथि सत्कार) ऐसे मुख्य क्षेत्र हैं जहां हम अपना निर्यात बढ़ा सकते हैं।

संस्कृति :

दोनों देशों के बीच सांस्कृतिक विनिमय कार्यक्रम के तहत दोनों पक्षों की ओर से सांस्कृतिक मंडलियां नियमित रूप से एक दूसरे के देशों का दौरा करती हैं।

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस :

पहले अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर 21 जून 2015 को ट्यूनिश में पहली बार योग के एक विशाल ग्रुप सेशन का आयोजन किया गया। ट्यूनीशिया के 300 से अधिक नागरिकों ने ट्यूनिश में भारतीय दूतावास और ट्यूनीशिया गणराज्य के युवा एवं खेल मंत्रालय द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित सामान्य योग प्रोटोकॉल के आसन किए।

भारतीय समुदाय :

स्थाई भारतीय समुदाय में दो परिवार शामिल हैं जो यहां कई दशकों से रह रहे हैं। कुछ भारतीय पेशेवर विभिन्न परियोजनाओं में काम कर रहे हैं; भारतीय समुदाय के सदस्यों की संख्या 100 से अधिक है।

ट्यूनीशिया के माध्यम से लीबिया से भारतीय नागरिकों को निकालना :

लीबिया में कानून एवं व्यवस्था ध्वस्त हो जाने के बाद, दूतावास ने जुलाई 2014 से ट्यूनीशिया के डजेरबा बंदरगाह तथा ट्यूनिश के कार्थागे अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा के माध्यम से लीबिया में काम करने वाले 3500 से अधिक भारतीयों को बाहर निकालने में मदद की। रूक-रूक कर बाहर निकालने का काम अभी भी चल रहा है।

उपयोगी संसाधन :

भारतीय दूतावास, ट्यूनिश की वेबसाइट :
http://www.embassyofindiatunis.com/
भारतीय दूतावास, ट्यूनिश का फेसबुक पृष्ठ :
https://www.facebook.com/IndiainTunisia

*****

जनवरी, 2016